ries employ agents for procuring and servicing general insurance business. The rates of commission payable to insurance agents which were earlier limited to 15 per cent for Fire and Miscellaneous classes of insurance business and 10 per cent for Marine insurance business, were reduced to 5 per cent for Fire and Marine and 10 per cent for Miscellaneous insurance business with effect from 1-6-1969. Even though Section 40A of the Insurance Act has not been made applicable to the G.I C. and its subsidiaries, they are adhering to these ceilings.

मध्य प्रदेश के उज्जैन, देवास और शाजापुर जिलों में लघु तथा कुटीर उद्योगों के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा दिए गए ऋण

3548. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के उज्जैन, देवास और शाजापुर जिलों में राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा वर्ष 1973 से 1975 तक लघु और कुटीर उद्योगों के लिए कितने व्यक्तियों को ऋण दिये गये और ऐसे ऋण कम से कम और अधिक से अधिक कितने हैं, और

(ख) ऐसे व्यक्तियों की संख्या कितनी है जिन्होंने पिछले ऋण चुका दिये हैं परन्तु उन्हें पुन: ऋण नहीं दिये गये हैं और इसके क्या कारण हैं ?

वित्त और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : (क) मध्य प्रदेश में उज्जैन, देवास और शाजापुर जिलों में छोटे पैमाने के उद्योग को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिये गये समग्र अग्रिमों के सम्बन्ध में उपलब्ध सूचना, नीचे दी जा रही है :—

(हजार रुपये)

अन्तिम शुक्रवार को स्थिति	उज्जैन		देवास		शाजापुर	
	खातों की संख्या	रकम	खातों की संख्या	रकम	खातों की संख्या	रकम
1	2	3	4	5	6	7
दिसम्बर, 1972	247	35,81	98	21,26	61	2,52
दिसम्बर, 1973	431	66,23	132	26,69	85	2,42
दिसम्बर, 1974	563	121,05	152	81,09	128	5,97

यद्यपि इन बैंकों द्वारा छोटे पैमाने और कुटीर उद्योग के वास्ते दिये जाने वाले ऋणों की कोई कड़ी न्यूनतम और अधिकतम सीमाएं विहित नहीं की गयी हैं, तथापि सरकारी क्षेत्र के बैंक ऐसी परियोजनाओं/प्रस्तावों के वास्ते आवश्यकता के आधार पर सहायता प्रदान करने का प्रयत्न करते हैं।

(ख) आंकड़े सूचित करने की वर्तमान प्रणाली में इस सूचना के संकलन की व्यवस्था नहीं है। अलबत्ता, जब कभी ऐसे मामले सरकार अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के ध्यान में लाये जाते हैं तो उनकी जांच की जाती है।

चाय बागान

3549. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में ऐसे कितने चाय बागान हैं जो इस समय घाटे में चल रहे हैं तथा उनके नाम क्या हैं; और